# अच्छा नागरिक बनना व बनाना शिक्षक का लक्ष्य है : राजकुमार

मंगलायतन विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में शुक्रवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय बुद्धिशीलता था। कार्यक्रम को वरिष्ठ पत्रकार व आईआईटी, रुड़की के ईएमएमआरसी के निदेशक राजकुमार भारद्वाज ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि चाणक्य जैसा गुरू चंद्रगुप्त की प्रतिभा को पहचान कर उसे सम्राट बना देता है। देश की अपेक्षा सबसे ज्यादा शिक्षक से होती हैं। आज उस देश में शिक्षक व शिक्षा की क्या भूमिका है? जब शिक्षकों की कई पीढ़िया खत्म हो जाती है तब महर्षि ओरविंदो, स्वामी रामतीर्थ, भगवान महावीर जैन, गौतम बुद्ध पैदा होते हैं। शिक्षक को अब पहले जैसा सम्मान नहीं मिलता। प्रबंधन व शिक्षक के मध्य ऐसा तालमेल बनाने की आवश्यकता है कि शिक्षक को सम्मान मिले। उन्होंने अपने जीवन के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि जब घर कच्चे थे तो आदमी पक्के थे आज घर पक्के हैं लेकिन आदमी कच्चे हैं। हमें जो अवसर व संसाधन मिले हैं उसी में न्याय करना है। जब हम दूसरों के साथ न्याय करेंगे तो हमारे साथ भी न्याय होगा। उन्होंने बढ़ती पाश्चात्य संस्कृति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उस रिसर्च का कोई फायदा नहीं जिसका लाभ लोगों को न मिले। अच्छा नागरिक बनना व बनाना शिक्षक का लक्ष्य होना चाहिए। कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश में समस्याओं पर चिंतन मनन करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों का काम केवल उपाधि प्रदान करना नहीं है बल्कि विद्यार्थी के अंदर स्वतंत्र चिंतन की क्षमता पैदा करना है। परिस्थितियों का आकलन कर सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना और परिवर्तन लाने की स्थिति पैदा करना विश्वविद्यालयों का काम है। कुलपति ने अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। संचालन श्वेता भारद्वाज ने किया। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. सिद्दी विरेशम, कुलसचिव बिग्रे. समरवीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, प्रो. जयंतीलाल जैन, प्रो. रविकांत, प्रो. अब्दुल वदूद, प्रो. अशोक पुरोहित, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. राजीव शर्मा, प्रो. सिद्धार्थ जैन, डा. संतोष गौतम, डा. पीसी शुक्ला, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत, लव मित्तल, डा. पूनम रानी आदि थे।

**EDITORIAL BOARD :**
**Patron :** Prof. Parmendra Kumar Dashora, Vice Chancellor, **Chief Editor :** Dr. Santosh Kumar Gautam, **Associate Editor :** Ms. Manisha Upadhyay, Mr. Mayank Jain, **Advisory Board :** Brig Sumar Vir Singh (Retd) Registrar, Prof. Ravi kant, Prof. Rajeev Sharma, Prof. Yatendra Pal Singh, Prof. Abdul Wadood Siddiqui, Dr. Poonam Rani, Dr. Javed Wasim, **Sub Editor/Designing :** Mr. Yogesh Kaushik **Student Editor :** Ms. Deepshikha, Mr. Gyanendra Pratap Singh.

# "उस दिन मां रो देती है"

मंगलायतन विश्वविद्यालय के एमबीए के छात्र रहे कवि उत्कर्ष जैन की पुस्तक "उस दिन मां रो देती है" का विमोचन हुआ है। उत्कर्ष जैन की उपलब्धि पर मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीके दशोरा व मध्य प्रदेश के पूर्व खनिज, साधन, श्रम मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई। उत्कर्ष जैन ने बताया कि मेरे जीवन का सबसे ऐतिहासिक क्षण है जब भगवान जम्मू स्वामी निर्माण स्थली की छांव तले मूलनायक 1008 अजितनाथ भगवान के भव्य प्रांगण में श्रमण ज्ञान भारती संस्थान के वार्षिक उत्सव में देश के जाने–माने विद्वान निरंजन लाल बैनाड़ा, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से पधारे मुख्य अतिथि प्राकृत विद्वान पुलक जैन शास्त्री, श्रमण ज्ञान भारती संस्थान के अधीक्षक जिनेंद्र जैन शास्त्री, विद्वान राजेश जैन ष्शास्त्रीष, चमन लाल जैन, आरके जैन ने मेरी किताब का विमोचन किया। यह दिन मेरे जीवन भर के लिए अविस्मरणीय हो गया है। उन्होंने इस मुकाम तक पहुंचाने में पर्दे के पीछे छुपे सभी किरदारों का सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

www.mangalayatan.edu.in
MANGALAYATAN UNIVERSITY NEWS LETTER BY PR UNIT

# अकादमिक परिषद की बैठक संपन्न, 21 एजेंडा पारित

- बैठक में अकादमिक गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए लिए गए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय
- ओपन डिस्टेंस लर्निंग और ऑनलाइन लर्निंग के माध्यम से पाठ्यक्रमों का संचालन व अनुसंधान पर हुई विस्तृत चर्चा



मंगलायतन विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद की 27 वीं बैठक कुलपति प्रो. पीके दशोरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। गंगा ब्लॉक के कुलपति सभागार में हुई बैठक में 21 से अधिक एजेंडा पारित किए गए। बैठक के प्रारंभ में कुलसचिव बिग्रे. समरवीर सिंह ने सदस्यों का परिचय कराया और अकादमिक परिषद के सदस्यों का अभिनंदन करते हुए बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की। वहीं, डीन एकेडमिक प्रो. अब्दुल वदूद सिद्दीकी ने पूर्व की बैठक में लिए गए निर्णयों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कुलपति ने कहा कि हाल ही में विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से ए प्लस ग्रेड प्राप्त हुआ है। विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के साथ एमओयू साइन करने के साथ ही विश्वविद्यालय में गुणवत्ता परक शिक्षा प्रदान करने के लिए बेहतर कदम उठाए जा रहे हैं। बैठक में अकादमिक गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में ओपन डिस्टेंस लर्निंग और ऑनलाइन लर्निंग के माध्यम से पाठ्यक्रमों का संचालन, विभिन्न सेमिनार, व्याख्यान व कार्यशालाओं के आयोजन, एकेडमिक कैलेंडर, पटेंट व अनुसंधान आदि पर विस्तृत चर्चा की गई। समय पर परीक्षा परिणाम देने के लिए शैक्षणिक कैलेंडर 2023–24 की रूप रेखा पर सहमति बनी। बैठक में प्रति कुलपति प्रो. सिद्दी विरेशम, प्रो. आरिफ सुहेल, प्रो. फरा आजमी एएमयू, दिलीप जैन, सीए अतुल गुप्ता, पूर्व कुलसचिव प्रो. शिवाजी सरकार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, प्रो. रविकांत, प्रो. राजीव शर्मा, प्रो. आरके शर्मा, प्रो. कुमुदिनी पवार, प्रो. वाईपी सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. अशोक पुरोहित, प्रो. सिद्धार्थ जैन, प्रो. केपी सिंह, प्रो. सौरभ कुमार, प्रो. अंकुर अग्रवाल, डा. राजेश उपाध्याय, डा. संतोष गौतम, डा. पूनम रानी, डा. हैदर अली आदि सहित विभिन्न विभागों के डीन एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

# करियर बनाने के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स है जरूरी

मंगलायतन विश्वविद्यालय में आईबीएमसी विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन शिप्रा ब्लाक में किया गया। जिसमें टाटा कंपनी के सीनियर लीडर कैंपस टैलेंट एक्विजिशन व विवि के पूर्व छात्र वरुण सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कंपनी की व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए एचआर (ह्यूमन रिसोर्स) की आवश्यकता होती है। एचआर किसी भी कंपनी में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक है। इसमें करियर बनाने के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स की आवश्यकता है। यदि कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी है तो आप किसी को भी आकर्षित कर सकते हैं। आप जॉब करें या बिजनेस सफल होने के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में ताकत और कमजोरी दोनों होती हैं, हमें अपनी कमजोरियों की पहचान करके उसे दूर करने के साथ श्रेष्ठता प्राप्त करने की जरूरत है। उन्होंने महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल्स पर चर्चा करते हुए एचआर के क्षेत्र में करियर शुरू करने के टिप्स भी दिए। विद्यार्थियों के लिए इंटरैक्टिव और ज्ञानवर्धक रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पूछे गए, प्रश्नों का वक्ता ने उत्कृष्ट उत्तर दिया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव शर्मा, प्रो. अनुराग शाक्य, प्रो. सिद्धार्थ जैन, प्रो. अंकुर अग्रवाल, डा. नियति शर्मा, डा. शालू अग्रवाल, राजेश पंचासरा आदि थे।

# पेड़ लगाओ–पेड़ बचाओ के संदेश के साथ मनाया गया वन महोत्सव

मंगलायतन विश्वविद्यालय में वन महोत्सव सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके तहत विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व के साथ ही पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। 22 जुलाई 2023 को वन महोत्सव मनाते हुए वृहद पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर व आस–पास पौधे रोपित किए गए। महोत्सव को लेकर एनएसएस के स्वयं सेवकों के साथ ही अन्य विद्यार्थियों में भी भरपूर उत्साह देखा गया।




एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सिद्धार्थ जैन ने बताया कि वर्षाकाल का मौसम पौधरोपण के लिए आदर्श माना जाता है। प्रदेश में बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 35 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा है। विश्वविद्यालय भी इस अभियान से जुड़कर नवीन रिकॉर्ड बनाने को तैयार है। प्रशासनिक अधिकारी गोपाल सिंह राजपूत ने बताया कि विवि परिसर व आस–पास नीम, अर्जुन, जामुन, अशोक, पीपल, पाकड़, बरगद आदि के पौधे लगाए गए। पौधे की सुरक्षा व देखभाल के लिए ट्री गार्ड लगाए गए हैं। कुलसचिव बिग्रेडियर समरवीर सिंह ने कहा कि इस बार वन महोत्सव सप्ताह में विश्वविद्यालय प्रांगण में दो हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में पौधों का विशेष महत्व है और प्रकृति की अद्भुद देन है। हमारे आस–पास वातावरण जीवन अनुकुल और स्वास्थ्य वर्धक हो इसके लिए हम सभी के दायित्व हैं। कुलपति प्रो. पीके दशोरा,, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा ने वन महोत्सव मनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। विद्यार्थियों को पौधरोपण के साथ ही पौधे के जीवन को बचाने के लिए उचित देखभाल का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी लव मित्तल, एग्रीकल्चर सुपरवाइजर ताराचंद उपाध्याय, छात्र अनमोल, सुमित, शिवम, राहुल, आयुष, रोहित, उत्कर्ष, भरत, रोहित, चंदन आदि थे।













# प्रतिभाओं को मिला सम्मान, सपनों को मिली नई उड़ान

## मंगलायतन यूनिवर्सिटी व दैनिक जागरण की ओर से डीएस कालेज में समारोह, 10वीं व 12वीं में उत्तीर्ण मेधावी किए गए सम्मानित

प्रतिभा सम्मान





जागरण संवाददाता, अलीगढ़। 'लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती', यह पंक्तियां शनिवार को डीएस कालेज के सभागार में फिर चरितार्थ हुईं। अवसर था दैनिक जागरण और मंगलायतन विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह का। 10वीं व 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण एक हजार से अधिक मेधावियों को सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर सभी के चेहरे खिल उठे। ऐसा लगा जैसे उनके सपनों को नए पंख लग गए और सफलता की नई उड़ान भरने को तैयार हैं।

मुख्य अतिथि डीआइजी शलभ माथुर, मंगलायतन विश्वविद्यालय के सह कुलपति प्रो. सिद्दी वीरेशम, डीन प्रो. जयंती लाल जैन व सीनियर मैनेजर मार्केटिंग मयंक प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलित किया। विशिष्ट अतिथि एमएलसी स्नातक डा. मानवेंद्र प्रताप सिंह, एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट उपस्थित रहे। इसके बाद प्रतिशत व कक्षावार मेधावियों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। दैनिक जागरण आगरा–अलीगढ़ संस्करण के महाप्रबंधक अखिल भटनागर व दोनों ही संस्करणों के संपादकीय प्रभारी अवधेश माहेश्वरी ने आभार व्यक्त किया।

### ज्ञान और जुनून से विपरीत परिस्थितियों में ही सफलता

### सफलता को अपने सिर पर न चढ़ने दें : डीआइजी



### कोई नहीं छीन सकता ज्ञान : डा. मानवेंद्र

### हर दिन नया ज्ञान अर्जित करें : एडीएम



# मेहनत को मिला सम्मान, मेधावियों ने बिखेरी मुस्कान

## अमर उजाला और मंगलायतन विश्वविद्यालय की ओर से सीबीएसई, आईसीएसई और यूपी बोर्ड के मेधावियों का किया गया सम्मान

अमर उजाला ब्यूरो

अलीगढ़। अभी तो यह एक पड़ाव है, मंजिलें भी मिलेगें। ऐसा आप सभीमें विश्वास दिख रहा है और इसकी गवाही ९० से ९९ फीसदी अंक दे रहे हैं।

पूरे विश्व में भारत तेजी से बढ़ रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियों में भारतीय ऊंचे पदों पर विराजमान हैं, क्योंकि उनमें अपार क्षमताएं हैं।

सोमवार को ये बातें मुख्य अतिथि मंडलायुक्त नवदीप रिणवा ने विजडम पब्लिक स्कूल में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में कहीं। अमर उजाला और मंगलायतन विश्वविद्यालय की ओर से सीबीएसई और आईसीएसई और यूपी बोर्ड के मेधावियों के सम्मान कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था काफी अच्छी है, तभी तो अमेरिका के प्रतिष्ठित विवि में अलग-अलग विषयों के भारतीय शिक्षक हैं।

भारतीयों में विश्व नेतृत्वकृता बनने की क्षमता है। मंडलायुक्त ने कहा कि ९०-९९ फीसद अंक लाने वाले विद्यार्थियों को बधाई और स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं।



विजडम पब्लिक स्कूल की सीनियर विंग में अमर उजाला भविष्य ज्योति मेधावी सम्मान समारोह में सम्मानित मेधावी।